राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

देश की उपासना

जौनपुर से प्रकाशित

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 207 | जौनपुर | मंगलवार, 18 मार्च 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

दैवीय आपदा से सम्बंधित जागरूकता कार्यशाला का हुआ आयोजन

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

आज रसखान प्रेक्षागृह में माननीय सभापति श्री अवनीश कुमार सिंह व समिति के अन्य माननीय सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति में उत्तर प्रदेश विधान परिषद की दैवीय आपदा प्रबंधन जाँच समिति की कार्यशाला का आयोजन किया गया। समिति के माननीय सभापति ने अन्य माननीय सदस्यों श्री उमेश द्विवेदी, श्री रामसूरत राजभर व श्री अंगद सिंह के साथ प्रेक्षागृह पहुंचकर आपदा प्रबंधन पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। माननीय सभापति ने इस दौरान प्रतीकात्मक रूप से दो किसानों को फसल बीमा योजना योजना के भुगतान का स्वीकृति पत्र व दो किसानों को स्प्रे मशीन भेंट की। कार्यशाला का औपचारिक उदघाटन माननीय सभापति व अन्य माननीय सदस्यों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

महाकुंभ को मृत्युकुंभ बताने वाले अपने राज्य में नहीं रोक पाए होली पर उपद्रव : सीएम योगी

गोरखपुर, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा। गोरखपुर जर्नलिस्ट प्रेस क्लब के शपथ ग्रहण समारोह में उन्होंने कहा कि महाकुंभ को मृत्युकुंभ बताने वाले अपने राज्य में होली पर उपद्रव नहीं रोक पाए। हमने जवाब दिया कि महाकुंभ मृत्युकुंभ नहीं, बल्कि महामृत्युंजय हो गया। रविवार को सिविल लाइंस स्थित गोरखपुर क्लब में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश की आबादी 25 करोड़ है और यहां होली शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। पश्चिम बंगाल में होली के दौरान कई जगहों पर उपद्रव हुए। जो महाकुंभ को मृत्युकुंभ बता रहे थे, उनके राज्य यानी पश्चिम बंगाल से महाकुंभ के 45 दिनों में रोजाना तकरीबन 50 हजार से एक लाख लोग पहुंच रहे थे। अन्य प्रदेशों के भी लाखों लोग रोजाना आए और स्नान किया। बदलती तकनीक के साथ बढ़ी मीडिया की जिम्मेदारी

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में मीडिया को मान्यता दी गई है। मीडिया सबसे महत्वपूर्ण मुद्दे की ओर तीन स्तंभों को किसी न किसी रूप में झकझोरती है। किन्हीं कारणों से छूटे हुए मुद्दों को सही तथ्यों के साथ प्रस्तुत कर जनसरोकार से जोड़ती है। मीडिया की भूमिका पूरी दुनिया में समय–समय पर अलग–अलग रूप में देखने को मिली है। तकनीक में बदलाव के साथ मीडिया संस्थानों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो चली है।

भारत ने अमेरिका के सामने उठाया खालिस्तानी संगठन सिख फॉर जस्टिस का मुद्दा, कड़ी कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अमेरिका की डायरेक्टर ऑफ नेशनल इंटेलिजेंस (क्छए) तुलसी गबार्ड की भारत यात्रा के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अमेरिका में सक्रिय खालिस्तानी संगठन 'सिख फॉर जस्टिस' (थ्श्र) की भारत–विरोधी गतिविधियों का मुद्दा उठाया। सूत्रों के मुताबिक, भारत ने इस गैरकानूनी संगठन पर अमेरिका से सख्त कार्रवाई की मांग की है। खबर है कि रक्षा मंत्री ने अमेरिकी प्रशासन से ठोस कदम उठाने का आग्रह किया है। गबार्ड भारत की ढाई दिन की यात्रा पर रविवार तड़के राष्ट्रीय राजधानी आईं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के किसी शीर्ष अधिकारी की भारत की यह पहली उच्चस्तरीय यात्रा है। सोमवार को, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। मुलाकात के दौरान रक्षा और सूचना साझा करने के क्षेत्रों में भारत व अमेरिका के बीच सामरिक संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। राजनाथ ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि उन्हें अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया प्रमुख से मिलकर खुशी हुई और उन्होंने भारत–अमेरिका साझेदारी को और मजबूत बनाने के तरीकों पर चर्चा की। रक्षा मंत्री ने कहा, ''हमने भारत– अमेरिका साझेदारी को और गहरा करने के उद्देश्य से रक्षा और सूचना साझा करने समेत कई मुद्दों पर चर्चा की।'' इससे एक दिन पहले, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और गबार्ड ने रविवार को द्विपक्षीय चर्चा की थी और दुनियाभर के शीर्ष खुफिया अधिकारियों के एक सम्मेलन की अध्यक्षता की थी। ऐसा माना जा रहा है कि डोभाल और गबार्ड ने आमने–सामने की बैठक में भारत–अमेरिका वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के अनुरूप मुख्य रूप से खुफिया जानकारी साझा करने के तंत्र को मजबूत करने और सुरक्षा क्षेत्र में मिलकर काम करने के तरीकों पर चर्चा की।

संक्षिप्त समाचार

राम मंदिर ट्रस्ट ने पिछले पांच वर्षों में 400 करोड़ रुपये का कर चुकाया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सचिव चंपत राय ने रविवार को कहा कि ट्रस्ट ने धार्मिक पर्यटन में उछाल के बीच पिछले पांच वर्षों में सरकार को लगभग 400 करोड़ रुपये का कर चुकाया है। उन्होंने कहा कि यह राशि पांच फरवरी, 2020 से पांच फरवरी, 2025 के बीच चुकाई गई। उन्होंने कहा कि इसमें से 270 करोड़ रुपये माल और सेवा कर (जीएसटी) के रूप में भुगतान किए गए, जबकि शेष 130 करोड़ रुपये अन्य विभिन्न कर श्रेणियों के तहत भुगतान किए गए। उन्होंने कहा कि अयोध्या में श्रद्धालुओं और पर्यटकों की संख्या में 10 गुना वृद्धि हुई है, जिससे यह एक प्रमुख धार्मिक पर्यटन केंद्र बन गया है और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं। उन्होंने कहा कि महाकुंभ के दौरान 1.26 करोड़ श्रद्धालु अयोध्या आए थे। राय ने कहा कि ट्रस्ट के वित्तीय रिकार्ड का नियमित रूप से नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) के अधिकारियों द्वारा ऑडिट किया जाता है।

शिक्षा से संबंधित समिति में 'अर्बन नक्सल' को शामिल किया – बंदी संजय

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री बंदी संजय कुमार ने रविवार को आरोप लगाया कि तेलंगाना की कांग्रेस सरकार ने शिक्षा और हाल ही में कराए जाति सर्वेक्षण से संबंधित समिति में 'अर्बन नक्सल' को शामिल किया है। कुमार ने करीमनगर के निकट एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि लोगों ने सरकार पर भरोसा कर भूमि, मकान और अन्य संपत्तियों से संबंधित जानकारी साझा की और इसे गोपनीय रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''आपको पता है कि यह जानकारी किसके साथ साझा की गयी है? रेवंत रेड्डी ने इसे किसी विदेशी को सौंप दिया है। उस व्यक्ति को समिति में शामिल किया गया है। क्या अब तेलंगाना के लोगों की संपत्तियों की कोई गारंटी है?'' केंद्रीय मंत्री ने पूछा, ''अगर हमारी संपत्तियों की गुप्त जानकारी इन 'अर्बन नक्सल' को दी जाएगी तो क्या भविष्य में लोगों की संपत्तियों की कोई गारंटी होगी?'' उन्होंने यह भी आरोप लगाया। कि शिक्षा प्रणाली को भी इन लोगों के हवाले कर दिया गया है।

पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन, दुनिया भर के नेता भू–राजनीति और वैश्विक मुद्दों पर करेंगे मंथन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी सोमवार को रायसीना डायलॉग के 10वें संस्करण का उद्घाटन करेंगे। यह सम्मेलन 17 से 19 मार्च तक चलेगा और इसमें दुनियाभर के नेताओं और विशेषज्ञों द्वारा अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने आने वाले सबसे बड़े और चुनौतीपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। इस सम्मेलन के मुख्य अतिथि न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन होंगे। वे उद्घाटन सत्र में भाग लेंगे और श्कालचक्रश विषय पर मुख्य भाषण देंगे। रायसीना डायलॉग भारत का प्रमुख भू–राजनीतिक और भू–अर्थशास्त्र सम्मेलन है, जिसमें लगभग 125 देशों के प्रतिनिधि, मंत्री, पूर्व राष्ट्राध्यक्ष, सैन्य कमांडर, उद्योग और प्रौद्योगिकी से जुड़ी हस्तियां, शिक्षाविद, पत्रकार, रणनीतिक विशेषज्ञ और थिंक टैंक शामिल होंगे। इस वर्ष के सम्मेलन में एक खास बात यह होगी कि ताइवान का एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी पहली बार इसमें भाग लेगा, जो दोनों पक्षों के बीच बढ़ते सहयोग को दर्शाता है। इसके अलावा, क्यूबाई उप प्रधानमंत्री मार्टिनेज डियाज और फिलीपीन के विदेश मंत्री एनरिक ए. मनालो भी इस सम्मेलन में शामिल होंगे। बता दें कि इस सम्मेलन का आयोजन ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन और विदेश मंत्रालय की साझेदारी में हो रहा है, जिसमें वैश्विक समस्याओं पर विचार–विमर्श और सहयोग के अवसरों की तलाश की जाएगी। लक्जमबर्ग के उपप्रधानमंत्री (डीपीएम) जेवियर बेटेल रायसीना डायलॉग 2025 में भाग लेने के लिए दिल्ली पहुंच गए हैं। साथ ही स्लोवेनिया की विदेश मंत्री तान्जा फाजोन भी इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत पहुंच गई हैं। इसको लेकर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस संबंध में ट्वीट किया और कहा कि रायसीना डायलॉग 2025 के लिए और अधिक नेताओं का भारत में आगमन हुआ।

अमित शाह 21 मार्च से ओडिशा की तीन दिवसीय यात्रा करेंगे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तीन दिवसीय यात्रा पर 21 मार्च को ओडिशा आएंगे और इस दौरान राज्य में कई विकास परियोजनाओं की शुरुआत करेंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक वरिष्ठ नेता ने रविवार को यह जानकारी दी। भाजपा की ओडिशा इकाई के अध्यक्ष मनमोहन सामल ने बताया कि शाह 21 मार्च की शाम झारसुगुड़ा हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे और एमसीएल अतिथि गृह में रुकेंगे। उन्होंने बताया कि शाह 22 मार्च को झारसुगुड़ा के पीएचडी मैदान में एक जनसभा को संबोधित करने से पहले संबलपुर स्थित मां समलेश्वरी मंदिर में पूजा अर्चना करेंगे। भाजपा नेता के मुताबिक जनसभा को संबोधित करने के अलावा केंद्रीय मंत्री वहां कुछ परियोजनाओं की आधारशिला भी रखेंगे। सामल ने संवाददाताओं को बताया कि इसके बाद वह भुवनेश्वर होते हुए पुरी जाएंगे और रात्रि विश्राम तटीय शहर में करेंगे। उन्होंने बताया कि अब तक तय कार्यक्रम के अनुसार शाह 23 मार्च को पुरी में श्री जगन्नाथ मंदिर जाएंगे और जटनी में प्रस्तावित फॉरेंसिक विश्वविद्यालय की आधारशिला रखेंगे। इस बीच, ओडिशा के शीर्ष भाजपा नेताओं ने रविवार को संबलपुर जिले के बुर्ला में बैठक की और केंद्रीय मंत्री के दौरे की तैयारियों की समीक्षा की। पार्टी नेता के मुताबिक, शाह के दौरे के दौरान ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों से जनता को लूट रही है सरकार : खरगे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार पेट्रोल एवं डीजल की कीमतें न घटाकर जनता को लूट रही है। खरगे ने कहा

कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में लगातार गिरावट आ रही है, लेकिन सरकार पेट्रोल और डीजल की कीमतों कम नहीं कर रही है। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''कच्चे तेल की कीमत रही है लगातार लुढ़क, पेट्रोल–डीजल की कधिमतों को न घटा३ मोदी सरकार जनता को लूट रही बेधड़क। लंबे–लंबे एकतरफा पॉडकास्ट कर मोदी जी जनता को केवल "मन की बात" सुनाते हैं३ तेल के खेल में उलझा कर महंगाई के आंसू रुलाते हैं।

नितिन गडकरी को मिला कांग्रेस और उद्धव की शिवसेना का साथ

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी देश के उन कुछ चुनिंदा नेताओं में से हैं जोकि स्पष्टता के साथ अपनी बात सबके सामने रखते हैं और अपने काम के बलबूते हर राजनीतिक दल के भीतर सराहे जाते हैं। नितिन गडकरी देश के उन कुछ चुनिंदा नेताओं में से भी हैं जिन्होंने पिछले 11 सालों से अपने काम के जरिये जनता का विश्वास जीता है। केंद्रीय मंत्री होने के नाते नितिन गडकरी ने देशभर के राष्ट्रीय राजमार्गों की स्थिति में तो उल्लेखनीय सुधार किया ही है साथ ही वह सामाजिक बुराइयों के खिलाफ भी प्रखरता से लड़ाई लड़ते हैं। देखा जाये तो एक ओर जहां नेताओं के बीच धर्म और जाति के आधार पर राजनीति करने की होड़ रहती है वहीं गडकरी धर्म और जाति के नाम पर राजनीति करने वालों के सख्त खिलाफ रहते हैं भले ही इससे उनको कितना भी राजनीतिक नुकसान हो जाये। अपने ताजा बयान में भी केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने जाति आधारित राजनीति के खिलाफ कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा है कि किसी भी व्यक्ति के साथ जाति, धर्म, भाषा या लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने नागपुर स्थित 'सेंट्रल इंडिया ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस' में आयोजित दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा, ''जो करेगा जात की बात, उसको कसके मारूंगा लात''। गडकरी ने कहा कि उनका मानना है कि कोई भी व्यक्ति अपनी जाति, धर्म, भाषा या पंथ के कारण बड़ा नहीं होता बल्कि वह अपने गुणों के कारण बड़ा होता है। उन्होंने कहा, ''इसलिए, हम किसी के साथ उसकी जाति, धर्म, लिंग या भाषा के आधार पर भेदभाव नहीं करते हैं।'' गडकरी ने कहा, ''मैं राजनीति में हूं और बहुत–सी चीजें होती हैं लेकिन मैं अपने तरीके से चलता हूं। अगर कोई मुझे वोट देना चाहता है तो दे सकता है और अगर कोई नहीं देना चाहता तो वह ऐसा करने के लिए भी स्वतंत्र है।'' उन्होंने कहा, ''मेरे दोस्त मुझसे पूछते हैं कि तुमने ऐसा क्यों कहा या ऐसा रुख क्यों अपनाया। मैं उनसे कहता हूं कि चुनाव हारने से कोई खत्म नहीं हो जाता। मैं अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं करूंगा और निजी जीवन में उनका पालन करता रहूंगा।'' गडकरी ने समाज और देश के विकास के लिए शिक्षा के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि कई वर्ष पहले जब वह विधायक थे तो उन्होंने मुस्लिम समुदाय के लोगों के बीच शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक मुस्लिम शिक्षण संस्थान को इंजीनियरिंग कॉलेज दिलाने में मदद की थी। गडकरी ने बताया कि उनके इस फैसले पर सवाल खड़े किए गए। उन्होंने कहा, "जिस वर्ग को शिक्षा की सबसे अधिक आवश्यकता है वह मुस्लिम समुदाय है।'' गडकरी ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के शब्दों को दुनिया के हर व्यक्ति ने सुना है। उन्होंने कहा, ''जब कोई व्यक्ति अपनी जाति, धर्म, लिंग या भाषा से ऊपर उठ जाता है तो वह महान बन जाता है। हम आपको बता दें कि गडकरी अक्सर अपनी स्पष्टवादिता के चलते अपने ही दल भाजपा के नेताओं के निशाने पर भी आ जाते हैं। पिछले दिनों उन्होंने यह कह कर सनसनी फैला दी थी कि एक बार एक नेता ने प्रधानमंत्री पद की दौड़ में शामिल होने पर उन्हें समर्थन देने की पेशकश की थी, लेकिन उन्होंने यह कहते हुए प्रस्ताव को ठुकरा दिया था कि उनकी ऐसी कोई लालसा नहीं है। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि यह प्रस्ताव देने वाला कौन था। हम आपको याद दिला दें कि लोकसभा चुनावों के समय जब भाजपा की पहली सूची में नितिन गडकरी का नाम नागपुर से नहीं घोषित किया गया था तब उद्धव ठाकरे समेत विपक्ष के तमाम नेताओं ने सार्वजनिक रूप से गडकरी को प्रस्ताव दिया था।

सिर्फ एक ही समूह के खिलाफ कार्रवाई क्यों गिरिराज सिंह ने लुधियाना के पुलिस आयुक्त से पूछा

बिहार, (एजेंसी)। बिहार के बेगूसराय से सांसद सिंह ने पुलिस आयुक्त से पूछा कि दूसरे समूह के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की गई। वह स्पष्टतः मुस्लिम समुदाय से संबंधित समूह की बात कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने होली के दिन तेज आवाज में संगीत बजाने को लेकर दो समूहों के बीच हुई झड़प के मामले में लुधियाना पुलिस के रवैये पर रविवार को नाराजगी जताई और पूछा कि केवल एक गुट के खिलाफ ही कार्रवाई क्यों की गई। सिंह ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर दूसरे समूह के खिलाफ भी कार्रवाई नहीं की गई तो वह लुधियाना पुलिस आयुक्त कार्यालय के बाहर धरना देंगे। होली के दिन बिहारी कॉलोनी में दो गुटों के बीच संगीत बजाने को लेकर तीखी बहस हो गई थी। दोनों पक्षों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि उन्होंने एक–दूसरे पर ईंट, पत्थर और अन्य वस्तुएं फेंकी, जिससे दो लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, इस मामले में सात लोगों को हिरासत में लिया गया है। पंजाब के लुधियाना में एक कार्यक्रम में शामिल हुए सिंह ने एक समूह के कुछ सदस्यों से मिलने के बाद लुधियाना के पुलिस आयुक्त से फोन पर बात की। बिहार के बेगूसराय से सांसद सिंह ने पुलिस आयुक्त से पूछा कि दूसरे समूह के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की गई। वह स्पष्टतः मुस्लिम समुदाय से संबंधित समूह की बात कर रहे थे। सिंह ने कहा, ''पहला हमला उनकी तरफ से हुआ । और सीसीटीवी फुटेज देखने के बाद आपने केवल एक समूह के खिलाफ मामला दर्ज किया।

विपक्ष ने उठाया वक्फ (संशोधन) विधेयक और मतदाता सूची का मुद्दा, कहा- संसद से सड़क तक करेंगे आंदोलन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण की कार्यवाही के दौरान विपक्ष ने वक्फ बोर्ड, मतदाता समेत कई मुद्दों पर केंद्र सरकार को घेरा। इस दौरान विपक्षी सांसदों ने वक्फ (संशोधन) विधेयक को वापस लेने की मांग की। समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव ने वक्फ (संशोधन) विधेयक पर कहा, ष्सरकार को इसे वापस लेना चाहिए। सरकार को जिद्दी नहीं होना चाहिए। देश के एक तरफ पच्चीस करोड़ लोग खड़े हैं, सिर्फ एक कानून का विरोध कर रहे हैं तो इसे लागू क्यों किया जाए? फिर भी सरकार इसे जबरदस्ती लागू कर रही है। सरकार को बिल वापस लेना चाहिए, हम इसका विरोध करेंगे और संसद से सड़क तक आंदोलन करेंगे।ष धर्मेंद्र यादव ने आगे कहा, ष्समाजवादी पार्टी और हमारे नेता अखिलेश यादव की ओर से मैं यह कहना चाहता हूं कि हमारी पूरी पार्टी ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड द्वारा जंतर–मंतर पर आयोजित विरोध प्रदर्शन का पूर्ण समर्थन करती है। प्रदर्शनकारियों द्वारा उठाई गई चिंताएं पूरी तरह से जायज हैं। ऐसा लगता है कि देश में ऐसा पहला मामला है, जहां एक समुदाय के हित के लिए कानून बनाया जा रहा है, लेकिन उससे जुड़े लोग ही उससे असंतुष्ट हैं। मेरा मानना है कि कोई भी कानून प्रभावित समुदाय को विश्वास में लेकर और उनका भरोसा सुनिश्चित करने के बाद ही बनाया जाना चाहिए। वहीं, कांग्रेस सांसद कार्ति पी. चिदंबरम ने 'रुपये' के सिंबल को लेकर तमिलनाडु सरकार का बचाव किया। उन्होंने कहा, ष्तमिलनाडु ने अपनी मुद्रा नहीं छापी है। इसने केवल तमिल में एक दस्तावेज छापा है, जिसमें श्रुश रुपये का प्रतिनिधित्व करता है। ठीक उसी तरह जैसे अंग्रेजी में श्रुश का उपयोग किया जाता है। यहां तक कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी पहले अपने तमिल ट्वीट में इसी प्रतीक का इस्तेमाल किया है। इसे अलगाववादी या राष्ट्र–विरोधी कृत्य के रूप में चित्रित करना अतिशयोक्ति है। तमिलनाडु केवल हिंदी थोपने के खिलाफ बयान दे रहा है। हालांकि, तमिलनाडु भारतीय संघ का अभिन्न अंग बना हुआ है । और इसकी अखंडता को चुनौती देने का कोई सवाल ही नहीं है।

संपादकीय

शर्मसार हैं हम

कर्नाटक के हंपी में इस्राइली पर्यटक समेत दो महिलाओं के साथ गैंगरेप की घटना का मामला ठंडा भी नहीं पड़ा था कि दिल्ली में एक ब्रिटिश पर्यटक से दुराचार का घृणित मामला सामने आया है। निश्चय ही यह देश की छवि को धूमिल करने वाला कृत्य है। हंपी की घटना तो भयावह थी, जिसमें रात में कैंपिंग कर रहे तीन पर्यटकों को नहर में फेंक दिया गया और तीन अपराधियों ने इस्राइली महिला व एक भारतीय महिला से सामूहिक दुष्कर्म किया। दोनों महिलाओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं नदी में फेंके गए एक पर्यटक की मौत हो गई, जिसका शव बरामद कर लिया गया। पर्यटकों में एक अमेरिकी व दो भारतीय थे। बदमाशों ने न केवल दुष्कर्म किया बल्कि मारपीट व लूटपाट भी की। हालांकि, तीनों अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, लेकिन देश की प्रतिष्ठा को जो आंच आई है, उसकी क्षतिपूर्ति संभव नहीं। विदेशों में भारत की छवि यौन अपराधियों के चलते लगातार खराब हो रही है। गाहे–बगाहे सुनसान पर्यटक स्थलों पर यौन दुर्व्यवहार की घटनाएं अक्सर सुनने को मिलती हैं। वहीं दूसरी ओर दिल्ली के एक होटल में एक ब्रिटिश पर्यटक के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया। एक युवक ने सोशल मीडिया पर दोस्ती करके भारत घूमने आई ब्रिटिश महिला को दिल्ली बुलाया और एक होटल में दुष्कर्म किया। इस मामले में ब्रिटिश दूतावास ने संज्ञान लिया है। बहुत संभव है कि विदेशी सरकारें भारत आने वाले पर्यटकों को लेकर कोई नकारात्मक एडवाइजरी जारी करें। हाल के दिनों में भारत में यौन अपराधों की बाढ़–सी आई हुई है। न केवल विदेशियों बल्कि भारतीय महिलाओं के साथ घृणित यौन अपराधों की तमाम घटनाएं प्रकाश में आ रही हैं। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस नैतिक पराभव का कारण क्या है। कहीं न कहीं ये जीवन मूल्यों में क्षरण का भी परिचायक है। दरअसल, इंटरनेट और कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अश्लील सामग्री की बाढ़–सी आई हुई है। देश का युवा उसकी चपेट में आकर भटकाव की राह में बढ़ रहा है। सामाजिक स्तर पर संयुक्त परिवारों के बिखराव से भी यह संकट और बढ़ा है। गांव व शहर में पहले सामाजिक संरचना मनुष्य को संयमित व मर्यादित जीवन जीने को बाध्य करती थी। हमारी शिक्षा व्यवस्था से नैतिक शिक्षा की कमी भी अखरती है। दरअसल, सोशल मीडिया पर ऐसे कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जा रहा है जो पश्चिमी जीवन शैली की तर्ज पर स्वच्छंद यौन व्यवहार को प्रोत्साहित करते हैं। जिसे युवा सामान्य जीवन में स्वच्छंदता का पर्याय मानने लगा है। कहीं न कहीं महानगरीय संस्कृति में नई पीढ़ी पर परिवार संस्था की ढीली होती पकड़ भी इन अपराधों के मूल में है। समाज विज्ञानियों को आत्ममंथन करना होगा कि यौन अपराधों को लेकर सख्त कानून बनने के बावजूद इस आपराधिक प्रवृत्ति पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है। इस दिशा में सरकार, समाज व परिवार को गंभीरता से मंथन करना होगा। अन्यथा भारत यौन अपराधों की राजधानी बनने में देर नहीं लगेगी।

देशहित में है राष्ट्रीय सुरक्षा नीति का निर्धारण

अशोक

रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा नीति बनाने की पुरजोर सिफारिश करने वाले एन.एन. वोहरा एक समय रक्षा सचिव और प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं। 'भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियां' नामक किताब वोहरा द्वारा

संपादित निबंधों का एक मौलिक संग्रह है, जिसको लेकर उन्होंने इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में दिवंगत जनरल बिपिन रावत और जनरल अनिल चौहान –दोनों चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ– के साथ चर्चा की थी और कई सार्वजनिक व्याख्यान भी दिए हैं। गत 28 फरवरी को हुई नवीनतम चर्चा में, उन्होंने दो मुद्दों पर जोर दिया रू राष्ट्रीय सुरक्षा नीति का अभावय और राष्ट्रीय सुरक्षा वार्ता में पारदर्शिता की कमी। उन्होंने कई समस्याओं को सूचीबद्ध किया रू एकल मंच दृष्टिकोण, अपर्याप्त उच्च रक्षा प्रबंधन, क्रॉस–डोमेन संपर्क की कमी और बाहरी सुरक्षा चुनौतियों के साथ आंतरिक सुरक्षा को मिलाकर देखने में विफलता। उन्होंने आंतरिक सुरक्षा के लिए अलग से मंत्रालय बनाए जाने पर सुझाव दिया। पूर्व विदेश सचिव श्याम सरन के साथ, उन्होंने याद दिलाया कि राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के तीन मसौदे तैयार किए गए थे, जिनमें से एक तत्कालीन राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शिवशंकर मेनन ने अनुमोदित भी कर दिया था, लेकिन राजनीतिक नेतृत्व की जवाबदेही तय होने के डर से कोई एक भी सार्वजनिक नहीं हुआ। चौथा मसौदा संभवतः राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के पास अटका धूल फांक रहा है। पिछले साल जनरल चौहान के साथ आमने–सामने की बातचीत के दौरान वोहरा उन्हें सहमत कर पाए कि राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धांत की असल में जरूरत है और 'कुछ लिखा जा रहा है।' हालांकि, इससे पहले, 29 मई, 2024 को लेफ्टिनेंट कर्नल गौतम दास (से.नि.) की पुस्तक 'इंडियन आर्ट ऑफ वॉर फॉर फ्यूचर चौलेंजेज' के विमोचन के दौरान, जब राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के बारे में पूछा गया, तो जनरल चौहान ने जवाब दिया था रू ' लिखित नीति की आवश्यकता नहीं है३हमने बीते 70 वर्षों में कई युद्ध लड़े हैं और प्रबंधन बढ़िया ढंग से किया३।' उसी वर्ष बाद में, जनरल चौहान के समान विचार वाले, एक 'अक्लमंद' जनरल ने सुरक्षा नीति को कलमबद्ध न किए जाने का अनुमोदन यह कहकर किया रू'यह हमारे दिमाग में है।' आधुनिक शासन कला में राष्ट्रीय हितों का प्रबंधन और सुरक्षा हेतु विभिन्न संस्थानों के काम का निष्पादन लिखित योजनाओं एवं आकस्मिकता पर क्रियान्वयन करने पर टिका है। सुरक्षा रणनीति समग्र रणनीतिक, रक्षा और सुरक्षा की समीक्षा कर बनाई जानी चाहिए, इससे जीडीपी के प्रतिशत आधारित संसाधन आवंटन, उच्च रक्षा संगठन और अनिश्चितताओं एवं बड़े पैमाने की व्यवधानों के युग में अंतर्निहित लचीलेपन के साथ रक्षा और सुरक्षा नियोजन में सकल क्षमता का निर्माण हो सकेगा। निवारण उपायों, कूटनीति और विकास को परिवर्तनों के अनुकूल ढलना होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने यूक्रेन–रूस युद्ध को समाप्त करने की अपनी योजना पेश करके खलबली मचा दी है। अचानक, यूरोप और नाटो, जो संभवतः अमेरिका से अलग हो जाएंगे, अपने रक्षा बजट को न केवल 2 प्रतिशत, बल्कि 5 प्रतिशत तक बढ़ाने को हाथ–पैर मार रहे हैं। रूस दुश्मन है, लेकिन लगता है अब अमेरिका के लिए नहीं रहा। 1991 में, सोवियत संघ के विघटन के बाद, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ फील्ड मार्शल लॉर्ड ब्रेमल ने इस लेखक से कहा था कि ब्रिटेन का अब कोई दुश्मन नहीं रहा। उन्होंने कहा : 'हम कोई ढूंढ रहे हैं'। और उन्हें एक मिल गया। दीर्घकालिक रक्षा नियोजन न होने ने भयावह परिचालन स्थितियों को जन्म दिया। इनमें से एक, जो पिछले दो दशकों से भारत के सामने मुंह बाए खड़ी थी,अब विस्फोटक रूप धर चुकी है रू भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमान स्कवाड्रनों की संख्या घटकर 31 से भी कम रह गई, जबकि प्रावधान 42 स्क्वाड्रन बनाए रखने का है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को अभूतपूर्व कड़ाई से एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने हाल ही में कहा :'हल्के लड़ाकू विमानों की जो संख्या देने का एचएएल ने वादा किया, वह उनकी आपूर्ति देने में विफल रहा है', उन्होंने आगे कहा रू 'मुझे एचएएल पर भरोसा नहीं रहा। वह मिशन मोड में नहीं है।' भारतीय वायुसेना को हर साल 35–40 नए लड़ाकू विमान चाहिये, एचएएल ने 2025 में 24 एलसीए एमके–1ए देने का वादा किया है। एपी सिंह कहते हैं कि बाकी निजी क्षेत्र द्वारा उपलब्ध कराए जा सकते हैं। लेकिन 114 बहुउद्देशीय लड़ाकू विमानों पर 'आवश्यकता की स्वीकार्यता' वाली स्थिति की अनदेखी और पिछले महीने ट्रम्प–मोदी के संयुक्त बयान में जीई–414 इंजन का उल्लेख नहीं होने के साथ, भारतीय है।

समावेशी विकास से ही संभव विकसित भारत का लक्ष्य

सुरेश

भारत की विकास दर वर्तमान में दुनिया के समृद्ध देशों से बेहतर है, लेकिन हाल के सर्वेक्षणों के अनुसार पिछली दो तिमाहियों में यह 7 प्रतिशत से नीचे गिरकर 5. 7 प्रतिशत तक पहुंच गई। हालांकि भविष्य में 7 प्रतिशत विकास दर बनाए रखने का अनुमान है। मंदी के चलते, देश में मांग में कमी के कारण निवेशकों को कम प्रतिफल मिल रहा है। वहीं अमेरिका, चीन व जापान में ब्याज दरें घटने से विदेशी निवेशक फिर से अमेरिका की ओर रुख कर रहे हैं। चीन के आर्थिक संकट से यह उम्मीद थी कि निवेश भारत की ओर बढ़ेगा, लेकिन बेहतर दरों के कारण निवेश फिर से चीन की ओर लौटता दिख रहा है। वहीं, अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा टैरिफ दरों में बदलाव और 'जैसे को तैसा' नीति ने भी स्थिति को प्रभावित किया है। यदि अमेरिका के साथ एक समग्र व्यापार समझौता हो जाता है, तो संभवतः हमारे यहां अमेरिकी आयातों पर भारी कर और मुद्रास्फीति का प्रभाव नहीं पड़ेगा। भारतीय विकास यात्रा के रास्ते में कई अवरोध खड़े हो गए हैं। जहां पूंजी निर्माण नहीं हो रहा, वहां दूसरी कृषि क्रांति का इंतजार अभी भी जारी है, लेकिन अधिकांश किसान आर्थिक बदहाली से बाहर नहीं निकल पाए हैं। भारत को उसकी उदार अनुकम्पा नीति और रियायती राशन वितरण के कारण एक ऐसा देश माना गया है, जहां लोग काम की बजाय आराम पसंद करने लगे हैं। कुछ वर्गों को काम नहीं मिलता, या उनका काम छुपी हुई बेरोजगारी माना जा सकता है, क्योंकि वे सकल घरेलू उत्पाद या आय में कोई वृद्धि नहीं करते। इससे देश की एक बड़ी जनसंख्या, खासकर महिलाएं और युवा, उत्पादक श्रम से बाहर हो गए हैं। पिछले दिनों प्रधानमंत्री ने इस स्थिति से उबरने के लिए एक नया नारा दिया है कि भारत का पर्यटन क्षेत्र सबसे अधिक कमाई वाला क्षेत्र है। यहां चार प्रकार का पर्यटन होता हैरू रमणीक पर्यटन, साहसिक पर्यटन, मेडिकल पर्यटन और ध्ार्मिक पर्यटन। इनमें से मेडिकल पर्यटन में काफी विकास की संभावना है। हालांकि, मोदी जी ने मेडिकल सीटों को रिकार्ड स्तर पर बढ़ाने की घोषणा की है, लेकिन अभी भी मेडिकल शिक्षा गरीब बच्चों के लिए एक सपना ही बनी हुई है। रमणीक और धार्मिक पर्यटन की बात करें तो धार्मिक पर्यटन में श्री अमरनाथ यात्रा को भी गिना जा सकता है, जो जल्द शुरू हो रही है। अनुच्छेद 370 के उन्मूलन के बाद जम्मू–कश्मीर में माहौल सुधरा है। वैष्णो देवी यात्रा में रिकार्ड टूट रहे हैं। इसके लिए सड़कों की स्थिति और पर्यटकों के ठहरने की व्यवस्था को सुधारना जरूरी है, ताकि दलाल इन्हें अपनी लूट का शिकार न बना सकें। अगर टूरिज्म को बढ़ावा देना है, तो प्रधानमंत्री का विचार है कि विंटर टूरिज्म को भी कारोबारी दुनिया का हिस्सा बना दिया जाए। शीतकालीन तीर्थाटन और बारहमासी पर्यटन को बढ़ावा देने से पर्यटन क्षेत्र को अधिक कमाई मिल सकती है। लेकिन किसी भी पहाड़ी राज्य को देखें, तो जब ऑफ–सीजन होते हैं, तब होटल खाली रहते हैं और रमणीक स्थल सूने होते हैं। इसके अलावा, पर्यावरण प्रदूषण और असाधारण मौसम भी एक बड़ी चुनौती बन गई है। जैसे हाल ही में बर्फबारी और बारिश के कारण हिमाचल प्रदेश में लगभग सैकड़ों सड़कें बंद हो गई थीं। इन समस्याओं को ध्यान में रखते हुए, पर्यटन क्षेत्र में उचित उपायों की आवश्यकता है। मोदी ने विंटर टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए 'ध्ाूप सेको पर्यटन' का गढ़वाली शब्द प्रस्तुत किया है, जिसका उद्देश्य शीतकाल में पर्यटकों को नया अनुभव देना है। हालांकि, बर्फबारी और हिमस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं के कारण शीतकालीन पर्यटन खतरनाक हो सकता है, जिससे न केवल स्थानीय लोगों बल्कि पर्यटकों की जान भी जोखिम में पड़ सकती है। इसके बावजूद, शीतकालीन पर्यटन को बढ़ाने से हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और अन्य रमणीक स्थलों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो सकता है। इसके साथ ही, भारत में वैडिंग इकोनामी के रूप में हजारों करोड़ रुपये का कारोबार है, जो शादियों की धूमधाम और आर्थिक सामर्थ्य को दर्शाता है। पिछले दिनों एक नया चलन शुरू हुआ, जिसमें विदेशी स्थलों को वैडिंग डेस्टिनेशन के रूप में चुना जाने लगा। मोदी जी ने इस पर अपील की है कि वैडिंग डेस्टिनेशन हमारे अपने देश में तलाशे जाएं। राजस्थान के जयपुर और उदयपुर, लक्षद्वीप और कश्मीर की वादियां वैडिंग डेस्टिनेशन के लिए उपयुक्त हैं। भारतीय फिल्म इंडस्ट्री पहले कश्मीर का रुख करती रही है, अब उत्तराखंड की ओर भी जा सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया के कई देश विंटर टूरिज्म के लिए प्रसिद्ध हैं, तो हमारा देश क्यों नहीं? पर्यटन विशेषज्ञों का कहना है कि जब मनाली में भारी बर्फबारी देखने के लिए पर्यटक आते हैं, तो शिमला सूना हो जाता है। यह दिखाता है कि सभी पर्यटन स्थलों और यात्री सुविधाओं का समान रूप से विकास होना चाहिए। लेकिन इस समावेशी विकास में हम लघु और कुटीर उद्योगों को क्यों भूल रहे हैं? बेरोजगारों के लिए सहकारी आंदोलन के जरिए रोजगार क्यों नहीं उत्पन्न किया जाता? अगर यह प्रयास ईमानदारी से किया जाए तो बेरोजगारी खत्म हो सकती है। अगर देश को विकसित बनाना है, तो इन उपेक्षित पहलुओं को भी विकास यात्रा में शामिल करना होगा। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि बेरोजगार नौजवानों और सार्थकता तलाश रही महिलाओं को भी उत्पादन प्रक्रिया में शामिल किया जाए। तभी हमारा देश एक संतुलित और विकसित आर्थिक रूप प्राप्त कर सकेगा।

..... स्वास्थ्य .....

कोलकाता में कोरोना जैसा वायरस HKU1: छींकने से फैल रहा, लक्षण दिखते ही अस्पताल जाए

कोलकाता में एक नया कोरोना जैसा वायरस HKU1 पाया गया है, जो छींकने और खांसी से फैलता है। इस वायरस के लक्षण सामान्य जुकाम जैसे होते हैं, जैसे बुखार, खांसी, गला खराब, और थकान, लेकिन कुछ मामलों में यह गंभीर फेफड़ों की बीमारियों का कारण भी बन सकता है। डॉक्टरों का कहना है कि इस वायरस से घबराने की

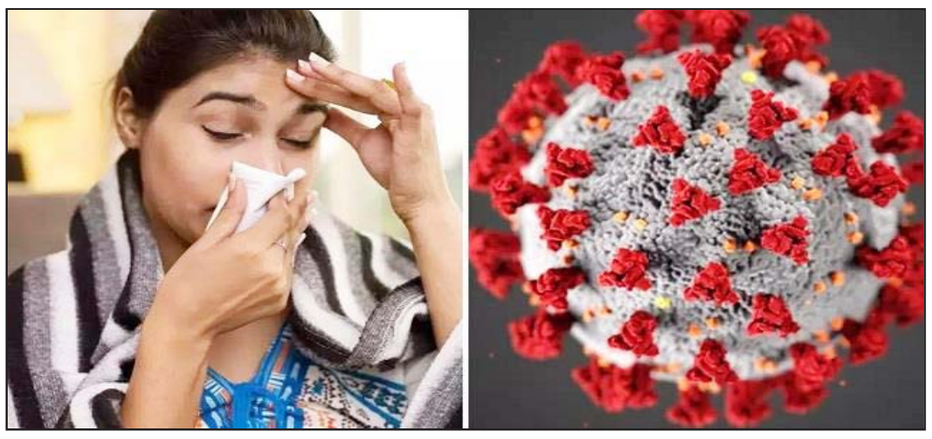

जरूरत नहीं है, लेकिन यदि आप में इन लक्षणों का सामना हो तो तुरंत अस्पताल जाएं और सावध्ानी बरतें।

वायरस

बता दे कि कोलकाता में एक 45 वर्षीय महिला में ह्यूमन कोरोनावायरस HKU1का संक्रमण पाया गया है। वह पिछले 15 दिनों से बुखार, खांसी और सर्दी से परेशान थीं और अब साउथ कोलकाता के एक निजी अस्पताल में इलाज करा रही हैं। हालांकि, इस वायरस के बारे में जागरूक रहना बहुत जरूरी है ताकि समय पर सावधानी बरती जा सके।

ह्यूमन कोरोनावायरस HKU1 क्या है?

लक्षण

लक्षण आमतौर पर हल्के होते हैं, और मरीज बिना इलाज के ठीक हो सकता है। हालांकि बुजुर्गों, बच्चों और कमजोर इम्यून सिस्टम वाले लोगों में संक्रमण गंभीर हो सकता है। इसके लक्षण में शामिल हैं–

लगातार खांसी
बहती नाक या नाक बंद होना
गला खराब या खराश
बुखार
छींक आना
थकान और कमजोरी
सिरदर्द

गंभीर मामलों में सांस लेने में कठिनाई और निमोनिया या ब्रोंकाइटिस

किन लोगों को ज्यादा खतरा है?

हालांकि यह वायरस कोरोना –19 जितना खतरनाक नहीं है, फिर भी कुछ लोग इसके लिए ज्यादा जोखिम में हो सकते हैं, जैसे–

60 साल से अधिक उम्र के लोग
नवजात और छोटे बच्चे
अस्थमा, सीओपीडी जैसी फेफड़ों की बीमारियों वाले लोग
कमजोर इम्यूनिटी वाले लोग (जैसे कैंसर मरीज, अंग प्रत्यारोपण करवाने वाले, भ्प्ब्।प्वै मरीज)
डायबिटीज या हृदय रोग से पीड़ित लोग

कैसे फैलता है?

यह वायरस संक्रमित व्यक्ति की खांसी या छींक से निकलने वाली बूंदों के संपर्क में आने से फैलता है। इसके अलावा संक्रमित सतहों को छूने के बाद चेहरे, मुंह या नाक को छूने से भी संक्रमण फैल सकता है। यह वायरस संक्रमित व्यक्ति के पास रहने से भी फैल सकता है, जैसे कि परिवार में या भीड़भाड़ वाली जगहों में।

बचाव के उपाय

अभी तक इस वायरस का कोई टीका या खास इलाज नहीं है, लेकिन कुछ सामान्य सावधानियां अपनाकर इसके फैलने के खतरे को कम किया जा सकता है

बार–बार हाथ धोएं (कम से कम 20 सेकंड तक साबुन और पानी से)
भीड़भाड़ वाली जगहों में मास्क पहनें
संक्रमित लोगों से दूरी बनाए रखें
बार–बार छूई जाने वाली सतहों को सैनिटाइज करें (जैसे मोबाइल, दरवाजे के हैंडल)
छींकते या खांसते समय मुंह और नाक को ढकें
पौष्टिक आहार, भरपूर पानी और पर्याप्त नींद लें ताकि इम्यूनिटी मजबूत बनी रहे

इस वायरस के बारे में जागरूक रहना और सावधानी बरतना जरूरी है। यदि आपको या आपके जानने वालों को ऊपर बताए गए लक्षण दिखें, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

चार महीने के बच्चे को मिली नई जिंदगी! बिना फेफड़े खोले सफल की सर्जरी

दिल्ली के एम्स अस्पताल में एक 4 महीने के बच्चे की सर्जरी की गई, जो फेफड़ों में संक्रमण की वजह से सांस लेने में परेशानी का सामना कर रहा था। यह सर्जरी बेहद खास थी क्योंकि इसे फेफड़े को खोले बिना किया गया। यह देश में पहली बार हुआ है, जब इस तकनीक से इतने छोटे बच्चे की सर्जरी की गई है।

बच्चे को थी सांस लेने में समस्या

यह बच्चा जन्मजात लोबार ओवरइन्फ्लेशन (ब्स्व्) नामक बीमारी से पीड़ित था। इस बीमारी में बच्चे के फेफड़े का एक हिस्सा ज्यादा फूल जाता है, जिससे फेफड़े के स्वस्थ हिस्से पर दबाव पड़ता है और बच्चे को सांस लेने में कठिनाई होती है। पहले इस तरह की सर्जरी में फेफड़ों को खोलना पड़ता था, लेकिन एम्स के विशेषज्ञों ने एक नई तकनीक अपनाई, जिससे फेफड़े को खोले बिना सर्जरी की जा सकी।

सर्जरी का तरीका

एम्स के बाल चिकित्सा सर्जरी विभाग के प्रोफेसर डॉ. विशेष जैन की अगुवाई में यह सर्जरी की गई। उन्होंने ओपन–चेस्ट सर्जरी की बजाय थोरैकोस्कोपिक दृष्टिकोण का चुनाव किया। इस तकनीक में केवल 3 से 5 मिलीमीटर के उपकरण और छोटे कैमरे का इस्तेमाल किया जाता है। यह तकनीक छोटे बच्चों के लिए विशेष रूप से उपयुक्त होती है, क्योंकि इसमें सटीकता की आवश्यकता होती है। पुरानी सर्जरी में एक बड़ा चीरा लगाना पड़ता था, जिससे दर्द और रिकवरी में लंबा समय लगता था।

सर्जरी की प्रक्रिया

सर्जरी के दौरान डॉक्टरों ने बच्चे की छाती में छोटे उपकरण और कैमरे के जरिए फेफड़े के स्वस्थ हिस्से में ऑक्सीजन को पुनर्निर्देशित किया। फिर, समस्याग्रस्त फेफड़े के ऊतक को एक छोटे से 10 मिलीमीटर के चीरे से हटा दिया गया। सर्जरी के बाद बच्चे को जल्द ही आराम मिला और वह पहली बार आसानी से सांस ले सका।सर्जरी के दो दिन बाद ही बच्चे को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उसकी हालत में तेजी से सुधार हुआ और वह अब सामान्य तरीके से सांस ले पा रहा है।

दिल को रखना है सेहत तो डाइट में शामिल करें ये 10 फल

हमारा दिल हमारे शरीर का सबसे जरूरी हिस्सा है, जो ब्लड सर्कुलेशन और शरीर के सभी हिस्सों तक ऑक्सीजन और पोषक तत्वों को पहुंचाने का काम करता है। दिल को स्वस्थ रखना बहुत जरूरी है, ताकि हम लंबे समय तक खुशहाल जीवन जी सकें। इसके लिए हमें अपनी डाइट में कुछ खास फल शामिल करने चाहिए, जो दिल के लिए अच्छे होते हैं। ये फल हमें आवश्यक विटामिन्स, मिनरल्स, और एंटीऑक्सीडेंट प्रदान करते हैं, जो दिल की सेहत को बनाए रखते हैं। आइए जानते हैं ऐसे 10 सुपर फ्रूट के बारे में, जो दिल को स्वस्थ रखने में मददगार साबित होते हैं।

एवोकाडो

एवोकाडो दिल के लिए बहुत फायदेमंद है क्योंकि इसमें मोनोअनसैचुरेटेड फैट्स होते हैं, जो खराब कोलेस्ट्रॉल (स्क्स्) को कम करने में मदद करते हैं। इसके अलावा, इसमें पोटेशियम की अच्छी मात्रा होती है, जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। इसे सलाद या सैंडविच में शामिल किया जा सकता है।

सेब

सेब में फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम करने और दिल की बीमारी के जोखिम को घटाने में मदद करते हैं। सेब में पाए जाने वाले फ्लावोनोइड्स दिल की सेहत के लिए अच्छे होते हैं और ब्लड सर्कुलेशन को सुधारते हैं।

बेरी

जैसे स्ट्रॉबेरी, ब्लूबेरी, और रास्पबेरी दिल के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। इनमें एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो हृदय रोग के जोखिम को कम करते हैं। ये फल ब्लड वेसल्स को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करते हैं।

केला

केला पोटेशियम का एक अच्छा स्रोत है, जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। इसमें फाइबर भी होता है, जो कोलेस्ट्रॉल को कम करने और दिल को स्वस्थ रखने में सहायक होता है। केला दिल के लिए एक बेहतरीन विकल्प है।

चेरी

चेरी में एंटीऑक्सीडेंट और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो दिल के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं। यह शरीर में सूजन को कम करने और ब्लड वेसल्स को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। चेरी खाने से हृदय रोगों का खतरा कम होता है।

अंगूर

अंगूर में रेस्वेराट्रोल नामक एंटीऑक्सीडेंट होता है, जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करता है और ब्लड वेसल्स की सेहत को बनाए रखता है। अंगूर खाने से दिल की बीमारियों का जोखिम घटता है और शरीर की सूजन भी कम होती है।

कीवी

कीवी में विटामिन ब और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो दिल के लिए अच्छे होते हैं। यह ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने, रक्त को गाढ़ा होने से बचाने और कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है। कीवी खाने से हृदय के कार्य में सुधार होता है।

संतरा

संतरे में विटामिन ब और फाइबर होते हैं, जो दिल के लिए बहुत अच्छे होते हैं। इसमें पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट्स रक्तदाब को नियंत्रित करने और हृदय रोगों के जोखिम को कम करने में मदद करते हैं। संतरा एक बेहतरीन फल है, जो दिल की सेहत को बढ़ावा देता है।

पपीता

पपीता दिल के लिए बहुत लाभकारी है, क्योंकि इसमें विटामिन ब, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने, कोलेस्ट्रॉल को कम करने और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है।

अनार

अनार दिल के लिए बहुत फायदेमंद है, क्योंकि इसमें एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने और दिल के रोगों से बचाने में मदद करते हैं। अनार का जूस हृदय की सेहत को बढ़ावा देता है ।

जो बहुजन के हित में काम करेगा वही आगे बढ़ेगा : मायावती

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में सोमवार को बसपा सुप्रीमो मायावती ने मीडिया को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने सामाजिक परिवर्तन और जातिवादी मानसिकता से हटकर बहुजन समाज को सम्मान दिलाने की बात कही। उन्होंने कहा कि आजकल जनहित के मुद्दों पर कम अपने-अपने स्वार्थ की राजनीति पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है। यह चिंताजनक है। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि होली और रमजान पर्व के बीच देशभर में कार्यकर्ताओं ने कांशीराम की जयंती बनाई। इससे न सिर्फ हमें बल मिला बल्कि कांशीराम के विचार लोगों तक पहुंचे। कहा कि यूपी हमारे नेतृत्व में बनी सरकार ने वास्तव में सामाजिक परिवर्तन किया। मायावती ने कहा कि हमारी सरकार बनने से पहले बहुजन समाज के लोगों को सामान्य लोगों के बराबर कुर्सी या चारपाई पर बैठने का अधिकार नहीं था। कहा कि 2007 में यूपी में हमारे नेतृत्व में बनी बसपा सरकार ने बहुजन को यह अधिकार दिलाया। इसके बाद बहुजन समाज के लोगों को सभी के बराबर कुर्सी और चारपाई पर बैठने को मिला। यही असल में सामाजिक परिवर्तन था। बहुजन समाज के लोगों को यह याद रखना चाहिए। मायावती ने कहा कि विपक्षी पार्टियां बहुजन समाज की एकमात्र पार्टी बसपा को कमजोर करने में लगी हैं। जातिवादी मानसिकता वाली पार्टियां डॉ आंबेडकर के विचारों को भी समाप्त करने की पुरजोर कोशिश कर रही हैं। लेकिन, बाबा साहेब और फिर कांशीराम ने ऐसे लोगों को उनके अरमानों पर पानी फेर दिया। अब हम भी बहुजन समाज के हित में ऐसी जातिवादी पार्टियों के मंसूबों को सफल नहीं होने देंगे।

भाजपा जिलाध्यक्षों का चुनाव जातियों के समीकरण से 2027 जीतने की तैयारी

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के सांगठनिक चुनाव के जरिए भाजपा ने 2027 में होने वाले विधानसभा के रण के साथ ही इससे पहले होने वाले पंचायत और स्थानीय निकाय चुनावों के लिए सियासी चौसर बिछा दी है। जिलाध्यक्षों की पहली सूची में भाजपा ने जिस तरह से पिछड़ी और अनुसूचित जाति के साथ ही सामान्य वर्ग के करीब सभी जातियों को शामिल कर जातीय समीकरण का गुलदस्ता तैयार किया है, उससे साफ हो गया है कि आगे होने वाले सभी चुनावों में भाजपा इसी जातीय समीकरणों के बल पर सियासी जंग में विपक्ष को मात देने की जमीन तैयार करेगी। हालांकि भाजपा ने अभी तो पहली सूची ही जारी की है। इसी सूची से यह भी स्पष्ट हो गया है कि भाजपा के रणनीतिकारों ने जिलाध्यक्षों के चयन में सभी वर्ग को प्रतिनिधित्व देकर पीडीए की उपेक्षा को लेकर विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे सवालों का भी जवाब देने की कोशिश की है। माना जा रहा है कि भाजपा ने 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पिछड़ों और सामान्य जाति के लोगों को लेकर सामंजस्य बिठाने की कोशिश की है। दरअसल भाजपा के जिलाध्यक्षों की सूची जारी करने में देर होने के भले ही तमाम कारण गिनाए जा रहे हैं, लेकिन इन कारणों के अलावा संगठन में सभी जातियों का समीकरण बिठाना सबसे बड़ी वजह थी। भाजपा के रणनीतिकारों ने लंबे समय तक एक-एक जिले के सामाजिक और जातीय समीकरणों का अध्ययन करके जिस तरह से नामों का चयन किया है। उच्च स्तर से हरी झंडी मिलने के बाद प्रदेश संगठन मंत्री धर्मपाल ने जिस तरह से एक-एक सूची की परीक्षण करने के बाद ही नाम को अंतिम रुप दिया है। इसके पीछे सिर्फ एक ही मंशा है कि पंचायत चुनाव से लेकर आगामी विधानसभा चुनाव तक के लिए विपक्ष के खिलाफ एक ऐसी घेराबंदी तैयार की जाए, जिससे जीत की राह को आसान किया जा सके। संगठन मंत्री के नेतृत्व में जिस तरह से जिलाध्यक्षों की सूची में जातीय समीकरण को साधने का प्रयास किया गया है, उसे देखकर यह माना जा रहा है कि पार्टी इसी समीकरण के बल पर आगामी दिनों में स्थानीय पंचायतों के चुनाव लेकर विधानसभा के चुनाव तक के राजनीतिक समीकरण को साधने की कोशिश करेगी।

पांच महिलाओं में भी रखा जातीय समीकरण का ख्याल

सूत्रों की मानें तो 70 जिलाध्यक्षों की पहली सूची में भले ही पांच महिलाओं को ही स्थान मिल पाया है, लेकिन इसमें भी जातीय समीकरण का विशेष ख्याल रखा गया है। जिलाध्यक्ष बनाई गई महिलाओं में भी जातीय समीकरण को तरजीह दी गई है। इनमें भी कुर्मी-1, पासी-1, क्षत्रिय-1 तेली-1 लोधी-1 और जाति की महिलाएं शामिल की गई हैं। माना जा रहा है कि संगठन का यह स्वरूप अगले साल प्रस्तावित पंचायत चुनाव और उसके बाद होने वाले विधान सभा चुनावों के लिए अहम होगा। इसको ध्यान में रखते हुए भाजपा ने संगठन में हर वर्ग को उचित प्रतिनिधित्व देने की कोशिश की है। भाजपा की मंशा थी कि वह अपने संगठन में ओबीसी और एससी वर्ग का प्रतिनिधित्व बढ़ाकर विपक्ष के पीडीए के नारे की काट भी निकाले। 70 अध्यक्षों की सूची में भाजपा ने 25 ओबीसी और 6 एससी वर्ग के अध्यक्षों को जगह दी है। महिलाओं की संख्या भी 5 है। जबकि पिछली बार 98 में सिर्फ 4 महिलाएं ही थीं। अभी 28 नामों की घोषणा होनी है। इनमें भी ओबीसी, एससी और महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

बारिश के साथ ओलो की बरसात फसल नुकसान की चिंता से किसान चिंतित

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के अयोध्या में सोमवार की सुबह बारिश के साथ ओलो की बरसात हुई। कुछ ही देर में जमीन पर ओलो की परत बिछ गई। ओले गिरने से किसानों के माथे पर चिंता रेखा उभर आई। हालांकि बारिश थोड़ी देर में थम गई। इससे फसलों को किसी बड़े नुकसान का अंदेशा नहीं है। यदि आगे अभी और बारिश होती है तो फसलों को नुकसान जरूर होगा। फिलहाल मौसम साफ हो गया है। धूप खिल गई है। मौसम के साफ होने के बाद किसानों ने राहत की सांस ली। उनका कहना है कि खेतों पर फसल पककर खड़ी है। अब काटने की तैयारी है। ऐसे में अधिक बारिश साल भर की मेहनत पर पानी फेर सकती है। बाराबंकी में सोमवार को सुबह से मौसम में अचानक बदलाव देखने को मिला। बारिश के साथ ओलो की बरसात हुई। इससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। ओले गिरने से सरसों और गेहूं की फसल को नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। जिला कृषि अधिकारी राजित राम ने बताया कि अभी इतनी बारिश नहीं हुई है, कि फसलों को नुकसान हो। यदि आगे और बारिश होती है तो फसलों को नुकसान होगा, इस बात से इंकार भी नहीं किया जा सकता है।

अजय राय बोले-पीएम के संसदीय क्षेत्र में डिप्टी जेलर का हुआ उत्पीड़न

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी की राजधानी लखनऊ में सोमवार को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने विपक्ष को आड़े हाथों लिया। उन्होंने महिला सशक्तिकरण को भाजपा का झूठ करार दिया। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में डिप्टी जेलर का उनका ही जिला कारागार अधीक्षक उत्पीड़न कर रहा है। डिप्टी जेलर शिकायत कर रही हैं, लेकिन सुनवाई नहीं हो रही है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि भाजपा का बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ का नारा छलावा है। बेटियों के साथ हर जगह अन्याय हो रहा है। उनकी शिकायतों को नजरअंदाज किया जा रहा है। उन्होंने डिप्टी जेलर मीना कन्नौजिया का शिकायती पत्र जारी करते हुए कहा कि उन्होंने

अपने ही जिला कारागार अधीक्षक उमेश सिंह पर उत्पीड़न का आरोप लगाया। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने अधिकारी पर कार्रवाई करने के बजाय शिकायतकर्ता को ही नैनी जेल प्रयागराज स्थानांतरित कर दिया गया है। कहा कि कांग्रेस नारी को न्याय दो अभियान के तहत पूरे प्रदेश में मुहिम शुरू करेगी। महिला उत्पीड़न की एक-एक घटना को लेकर सड़क से सदन तक भाजपा सरकार से जवाब मांगेगी। उन्होंने सवाल किया कि जब प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र में इस तरह की नाइंसाफी हो रही है तो अन्य स्थानों का अंदाजा अपने आप लगाया जा सकता है।

जिला अस्पताल में उमड़ी मरीजों की भीड़, पांच घंटे बाद मिल रहा इलाजय लगी लंबी कतारें

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के बाराबंकी में सोमवार को होली की छुट्टी के बाद अस्पताल खुले, तो मरीजों की लंबी लाइनें लगीं। बुखार और वायरल से पीड़ित ज्यादातर मरीज पहुंचे। एक साथ भीड़ बढ़ी तो स्वास्थ्य व्यवस्थाएं चरमरा गईं। जिला अस्पताल में मरीजों को इलाज के लिए घंटों कतार में खड़े रहना पड़ा। जिला अस्पताल में 65 वर्षीय रामसजीवन तिवारी सुबह 9 बजे पहुंचे थे। लेकिन, उन्हें दोपहर 1 बजे तक भी डॉक्टर से मिलने का समय नहीं मिला। उन्होंने बताया कि हमारा नंबर कब आएगा, कुछ पता नहीं। इतनी भीड़ है कि पैर रखने तक की जगह नहीं बची। जिला अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजेश कुशवाहा ने कहा कि मरीजों की संख्या बहुत ज्यादा हो गई है। मौसम बदलने के कारण वायरल और बुखार के मामले बढ़ रहे हैं। हम पूरी कोशिश कर रहे हैं कि सबको जल्द से जल्द इलाज मिले। मरीजों की भीड़ के बाद भी नहीं बढ़े संसाधन मरीजों की बढ़ती भीड़ के बावजूद न तो अतिरिक्त काउंटर खोले गए, न ही डॉक्टरों की संख्या बढ़ाई गई। सवाल यह है कि आखिर कब स्वास्थ्य विभाग लोगों की परेशानियों को गंभीरता से लेगा?

गलत दिशा से आ रही बोलेरो को बचाने के चक्कर में कार से टकराई पिकअप

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी की राजधानी लखनऊ में सोमवार को एक पिकअप खड़ी कार से टकरा गई। हादसे में 15 लोग घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। लोगों की मदद से सभी को आनन फानन अस्पताल पहुंचाया गया। हादसा मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के कनकहा गांव के पास लखनऊ-प्रयागराज मार्ग पर हुआ। यहां गलत दिशा से आ रही बोलेरो को बचाने के चक्कर में सवारियों से भरी पिकअप सड़क किनारे खड़ी कार से टकरा गई। हादसे में पिकअप सवार 15 लोग घायल हो गए। आनन फानन घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां हालत गंभीर देखते हुए सात लोगों को एपेक्स पीजीआई ट्रामा टू रेफर कर दिया गया। घायलों में रायबरेली निवासी वैभव, आलोक, विकास, फूलबानो, अरशद, आयत, सना, सलीम, इरफान, इम्तियाज, शुभम शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

मिल प्रबंधन द्वारा सूचना न दिए जाने पर जिला चिकित्सालय में मृतक के परिजनों ने जमकर काटा हंगामा

अयोध्या। मंगलवार को दोपहर पूराकलंदर थाना क्षेत्र के मसौधा क्षेत्र में केएम चीनी मिल में एक ओवर हेड पानी की टंकी गिर जाने से एक मजदूर की मौत हो गई। जिला चिकित्सालय में मौजूद मृतक के परिजनों

ने उस समय जमकर हंगामा काटा।उनकी मांग यह थी कि इतना बड़ा हादसा होने के बावजूद भी मिल प्रबंधन के प्रबंधक ना तो इस संबंध में उन्हें सूचना देना जरूरी समझा और ना ही जिला चिकित्सालय में आना।इसी आक्रोश को लेकर मृतक के परिजनों ने जमकर चिकित्सालय परिसर में नारेबाजी किया और यहां तक कि जिला चिकित्सालय के मुख्य मार्ग पर बैठकर धरना देने की कोशिश किया। लेकिन वहां पर पहले से मौजूद को सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह, चौकी चौक प्रभारी धर्मेंद्र सहित भारी संख्या में मौजूद पुलिस कर्मियों ने उन्हें समझा बुझा कर धरने पर बैठने से मना लिया।और कहा कि आपकी मांगे मानी जाएगी।इस संबंध में मृतक के संबंधी राममिलन ने बताया कंपनी के प्रबंधक ने इस हादसे की सूचना नहीं दिया। उन्होंने बताया कि जब तक हमारी मांगे नहीं पूरी होगी तब तक हम सबको नहीं ले जाएंगे।

पूरे प्रदेश में हुई हल्की बूंदाबांदी से गिरा पारा, बंगाल की खाड़ी से आने वाली हवाएं बदलेंगी मौसम

लखनऊ, (संवाददाता)। मार्च के पहले पखवाड़े में अप्रत्याशित गर्मी ने लोगों के पसीने छुड़ा दिए हैं। दूसरे पखवाड़े के पहले दिन रविवार को प्रदेश के विभिन्न इलाकों में हुई बूंदाबांदी और बादलों की मौजूदगी से उम्मीद है कि अगले दो दिन तक पारे में गिरावट आने के आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक 17 से 20 मार्च तक मौसम शुष्क रहने वाला है। इसके बाद बंगाल की खाड़ी से चली पूर्वा हवा फिर से मौसम में बदलाव लाएगी। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक 21 व 22 मार्च को नमी युक्त पुरवाई के असर से उत्तर प्रदेश के दक्षिण पूर्वी इलाकों सोनभद्र, मिर्जापुर, बलिया व वाराणसी आदि में बूंदाबांदी की संभावना बन रही है। 24 मार्च से फिर से तापमान बढ़ना शुरू होगा। मार्च के आखिर में प्रदेश में लू जैसी परिस्थितियां बनने का पूर्वानुमान है। अमेठी में रविवार सुबह अचानक मौसम का मिजाज बदला और बूंदाबांदी शुरू हो गई। दिन भर बादल की लुकाछुपी चलती रही। बदलते मौसम को देख किसानों के मांथे पर चिंता की लकीरें खिंच गई है। यदि तेज बारिश हुई तो तिलहनी फसल चौपट होने का डर है। वहीं जगदीशपुर, मुसाफिरखाना, संग्रामपुर, गौरीगंज आदि में हल्की बारिश हुई। जिले में दलहन-तिलहन फसलों के साथ गेंहू की फसल भी पककर तैयार होने की कगार पर है। खेतों में सरसों, अलसी, मटर, चना, धनिया, मेथी आदि फसल पक कर तैयार हो गई है। कुछ किसान उक्त फसलों की कटाई कर लिए हैं, तो कुछ काटकर खेत व खलिहान में रख लिए हैं। वहीं, जौ व गेहूं की फसल भी तकरीबन तैयार है।

कपड़े फटे और शरीर पर मिले चोट के निशान पुलिस कर रही जांच

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के रायबरेली में सोमवार की सुबह युवक का शव बाग में पड़ा मिला। उधर से गुजर रहे लोगों ने देखा तो आसपास के लोगों को सूचना दी। खबर फैली तो मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना गुरुबक्शगंज थाना क्षेत्र के चंदई रघुनाथपुर चौराहे के पास की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करके जानकारी जुटाई। सूचना पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य संकलित किए। युवक की पहचान थाना क्षेत्र के ही रामनगर मजरे पोरई गांव निवासी सुरेंद्र कुमार उर्फ लाला (25) पुत्र स्व. राम बहादुर के रूप में हुई। युवक के कपड़े फटे मिले हैं।

इसी महीने के अंत तक भाजपा को मिल जाएगा नया प्रदेश अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष चुनने के बाद रास्ता हुआ साफ

लखनऊ, (संवाददाता)। भाजपा के 98 सांगठनिक जिलों में 70 जिला इकाइयों के अध्यक्षों की घोषणा के बाद प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव का रास्ता साफ हो गया है। सूत्रों का कहना है कि इस महीने के अंत तक प्रदेश को नया अध्यक्ष मिल जाएगा। इसके लिए तमाम लोगों ने पहले से ही दावेदारी कर रखी है, लेकिन माना जा रहा है कि जिलाध्यक्षों की घोषणा के बाद प्रदेश अध्यक्ष के लिए भागदौड़ और तेज होगी। भाजपा के संविधान में यह प्रावधान है कि किसी भी प्रदेश में अध्यक्ष के चुनाव के लिए कम से कम 50 प्रतिशत जिलों में अध्यक्षों का चुनाव संपन्न होना चाहिए। इस लिहाज से भाजपा ने यूपी में इस मानक को पूरा कर लिया है। पार्टी हाईकमान ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए 40 दिन का समय बढ़ा दिया है। इस समय सीमा के भीतर ही प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव संपन्न कराना पार्टी की मजबूरी है, इसलिए अब प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया भी जल्द शुरू होगी। भाजपा के प्रदेश चुनाव अधिकारी डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय ने भी कहा कि शेष रह गए 28 जिला अध्यक्षों के चुनाव के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उम्मीद है कि इस महीने के अंत तक भाजपा को नया अध्यक्ष मिल जाएगा। सूत्रों के मुताबिक एक-दो नेता तो दिल्ली तक की दौड़ भी लगा चुके हैं। वहीं कई नेताओं स्थानीय बड़े नेताओं के जरिये अपना समीकरण बिठाने में जुट गए हैं। भाजपा ने पहली मर्तबा जिले-जिले कार्यक्रम करवाकर नए अध्यक्षों के नामों की घोषणा करने का प्रयोग किया था। जिलों में किसी की नाराजगी न हो और किसी भी स्तर पर संगठन के फैसलों का विरोध न हो, इसके लिए प्रदेश चुनाव प्रभारी महेंद्रनाथ पांडेय, प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और संगठन महामंत्री धर्मपाल लगातार प्रदेश मुख्यालय से ऑनलाइन मॉनिटरिंग करते रहे। संगठन महामंत्री धर्मपाल ने जिलेवार सूची जारी करने के दौरान नजर रखे हुए थे।

आठ साल में प्रदेश में 222 दुर्दांत अपराधियों का हुआ एनकाउंटर, जब्त हुई 142.46 अरब से अधिक की संपत्तियां

लखनऊ, (संवाददाता)। डीजीपी प्रशांत कुमार ने बताया कि योगी सरकार ने आठ साल के कार्यकाल में कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर विशेष काम किए हैं। पुलिस ने इन आठ वर्षों में 222 दुर्दांत अपराधियों को मुठभेड़ में मार गिराया और अब तक 79984 अपराधियों के विरुद्ध गैंगस्टर अधिनियम व 930 अपराधियों पर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत कार्रवाई हुई है। प्रदेश सरकार ने अवैध रूप से अर्जित बेनामी संपत्तियों को माफिया से मुक्त कराया और 142.46 अरब से अधिक की संपत्तियों को जब्त व ध्वस्त किया। डीजीपी ने वर्ष 2017 से दिसंबर 2024 तक अपराधियों पर हुई कार्रवाई के आंकड़े देते हुए कहा कि आज देश ही नहीं, दुनिया भर में यूपी मजबूत कानून व्यवस्था के लिए जाना जाता है। इस अवधि में चिह्नित 68 माफिया के लंबित मुकदमों में प्रभावी पैरवी कर 73 अभियोगों में 31 माफिया और 74 सह अपराधियों को आजीवन कारावास व अर्थदंड की सजा दिलाई गई। इनमें से दो अपराधियों को फांसी की सजा भी हुई। प्रदेश में 68 चिह्नित माफिया और उनके गैंग के 1408 सहयोगियों में से 617 की गिरफ्तारी हो चुकी है। 359 अपराधियों के शस्त्र लाइसेंस निरस्त किए गए। गैंगस्टर अधिनियम के तहत 752 अपराधियों को दंडित किया गया। महिलाओं और नाबालिगों के विरुद्ध अपराधों पर भी योगी सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। अब तक 27425 अभियोगों, पॉक्सो अधिनियम के 11254 अभियोगों और दहेज हत्या के 3775 मामलों में दोषियों को सजा दिलाई गई है। डीजीपी ने बताया कि जुलाई 2023 से दिसंबर 2024 तक 51 अभियुक्तों को मृत्युदंड, 6287 को आजीवन कारावास, 1091 को 20 वर्ष से अधिक की सजा, 3868 अपराधियों को 10 से 19 वर्ष तक की सजा और 5788 अभियुक्तों को 5 वर्ष से कम की सजा दिलाई गई। योगी सरकार ने चार स्तरीय एंटी भू-माफिया टास्क फोर्स का गठन कर 66,000 हेक्टेयर से अधिक भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया। 142 भू-माफिया को चिह्नित कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई। एसटीएफ ने वर्ष 2017 से अब तक 653 जघन्य अपराध होने से पहले

ही रोके गए। एटीएस ने 2017 से अब तक 130 आतंकवादियों और 171 रोहिंग्या व बांग्लादेशी अपराधियों और उनके सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। योगी सरकार की पुलिसिंग न सिर्फ यूपी, बल्कि पूरे देश में एक मॉडल के रूप में उभर रही है। आठ वर्षों में प्रदेश की कानून व्यवस्था में हुए सुधारों से अपराध दर में भारी गिरावट आई है। सीएम योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में यूपी सरकार ने न सिर्फ संगठित अपराधियों और माफिया पर शिकंजा कसा है, बल्कि आम नागरिकों के मन में सुरक्षा का भाव भी मजबूत किया है।

अब घर बैठे सात दिन में बढ़वा सकते हैं 50 किलोवाट तक बिजली का भार

लखनऊ, (संवाददाता)। अब आप घर बैठे 50 किलोवाट तक बिजली का भार बढ़वा सकते हैं। इसके लिए बिजली कार्यालय के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। घर बैठे पावर कॉर्पोरेशन के पोर्टल नचबबस. वतह पर पंजीयन करने के बाद लोड बढ़वाने का आवेदन किया जा सकेगा। 11 मार्च से दी जा रही इस सुविधा के तहत उपभोक्ता 50 किलोवाट तक विद्युत भार बढ़वाना चाहता है तो संबंधित अधिशासी अभियंता को सात दिन में ऐसा करना होगा। इस दौरान जरूरत पड़ने पर पुराने की जगह नया मीटर लगाए जाने पर उसकी कीमत का भुगतान उपभोक्ता को करना होगा। पोर्टल नचबबस.वतह के लोड परिवर्तन विकल्प के लिंक पर क्लिक करने पर आवेदन का प्रारूप दिखेगा। सबसे पहले बिल पर अंकित खाता संख्या के जरिये पंजीकरण करना होगा। फिर जिस विधा (घरेलू, दुकान, कार्यालय, उद्योग, कृषि) में विद्युत भार बढ़वाना है, उस पर क्लिक करना पड़ेगा। इसके बाद कुल जितना लोड बढ़ाना है, उसे दर्ज करना होगा। ऑनलाइन आवेदन के दौरान उसी मोबाइल नंबर का उल्लेख करना होगा, जो आवेदक के पास रहे।

महिलाओं की हिस्सेदारी 7 फीसदी,यूपी के गढ़ में नया दांव पहली बार महिला को कमान

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में भाजपा ने रविवार को 70 जिलाध्यक्षों की सूची जारी कर दी है। इसमें महिलाओं की महज सात फीसदी हिस्सेदारी है। लेकिन, इसमें एक दिलचस्प बात यह है कि इस बार भाजपा ने एक नया दांव खेला है। सपा के गढ़ मैनपुरी में किला भेदने के लिए ममता राजपूत को कमान सौंपी है। यह पहली बार है जब भाजपा ने मैनपुरी में किसी महिला को जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी है। बेटी बचाओ... बेटी पढ़ाओ, मंच से महिला सम्मान की बात करने वाली भाजपा ने संगठन में स्थान देने में महिलाओं का भी ठीक ध्यान रखा। हालांकि अभी 26 जिलों की सूची बाकी है। देखने वाली बात यही होगी कि क्या उस सूची में भी कुछ महिलाओं को स्थान मिलेगा। रविवार को जारी भाजपा जिलाध्यक्षों की सूची में ब्राह्मण, क्षत्रिय, ओबीसी और एससी के साथ सामंजस्य बैठाने की कोशिश की गई है। हालांकि यहां पर देखने वाली बात यह है कि भाजपा ने अपनी विचारधारा के अनुरूप ही किसी भी मुस्लिम को जिले की कमान नहीं दी है। इससे यह साफ है कि पार्टी अपने सिद्धांतों के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगी। ज्ञात हो कि भाजपा संगठन के चुनाव की प्रक्रिया पिछले साल में शुरू हुई थी। उस समय मंडल अध्यक्षों का चुनाव दिसंबर और जिलाध्यक्षों का चुनाव जनवरी के अंत तक कराने की समय सीमा तय की गई थी। लेकिन, मंडल अध्यक्षों का चुनाव भी जनवरी में संपन्न हो पाया। तमाम जिलों की सूची में शामिल नाम पर सवाल भी उठने लगे थे। साथ ही सूची पिछड़े, दलित और महिलाओं की भागीदारी की कमी रह गई थी। इस पर शीर्ष नेतृत्व ने आपत्ति जताई थी। ऐसे में प्रदेश स्तर पर संगठन मंत्री ने एक-एक सूची की गहनता से परीक्षण कर सभी विसंगतियों को दूर करके सूची तैयार कराई है। अब मार्च महीने की 16 तारीख को यह घोषणा हो पाई है।

रोडवेज में संविदा चालकों की भर्ती ,गोरखपुर मंडल प्रभारी आशुतोष चौधरी बडहलगंज में 28 मार्च को कैंप, दो टेस्ट के बाद होगा चयन

गोरखपुर। बडहलगंज बस स्टेशन पर परिवहन निगम राप्तीनगर द्वारा संविदा चालकों की भर्ती के लिए 28 मार्च को कैंप लगेगा। कैंप सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक चलेगा। राप्तीनगर डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक अशोक कुमार सिंह ने भर्ती की जानकारी दी। उम्मीदवारों की न्यूनतम आयु 23 वर्ष 6 माह होनी चाहिए। कद कम से कम 5 फीट 3 इंच होना जरूरी है। अभ्यर्थी के पास दो साल पुराना भारी वाहन चालक लाइसेंस होना चाहिए। शैक्षिक योग्यता कम से कम 8वीं पास होनी चाहिए।इच्छुक उम्मीदवार आधार कार्ड और जरूरी दस्तावेजों के साथ कैंप में आ सकते हैं। पहले टेस्ट में पास होने वाले अभ्यर्थियों का दूसरा टेस्ट होगा। दोनों टेस्ट पास करने वालों को संविदा चालक के रूप में नियुक्ति मिलेगी।चयनित चालकों को 2.07 रुपये प्रति किलोमीटर की दर से वेतन मिलेगा। 22 दिन की ड्यूटी पर 3000 रुपये का अतिरिक्त प्रोत्साहन भी दिया जाएगा। इसके अलावा रात्रि भत्ता, एक करोड़ रुपये का मुफ्त दुर्घटना बीमा, साल में तीन फैमिली पास और भविष्य निधि की सुविधा भी मिलेगी।

लखनऊ का सफर होगा आसान, एक्सप्रेस-वे पर दौड़ेंगी गाड़ियां

गोरखपुर मंडल प्रभारी आशुतोष चौधरी

गोरखपुर को पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे से जोड़ने वाला गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस–वे अप्रैल के दूसरे सप्ताह में शुरू होने जा रहा है। 13 अप्रैल को खरमास खत्म होते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा इसका लोकार्पण किए जाने की संभावना है। 91.35 किलोमीटर लंबे इस एक्सप्रेस–वे के जरिए गोरखपुर से लखनऊ का सफर आसान और तेज होगा। फिलहाल यह एक्सप्रेस–वे 4 लेन का है, जिसे भविष्य में 6 लेन तक विस्तार दिया जा सकता है। गोरखपुर बाईपास स्थित जैतपुर गांव से शुरू होकर यह आजमगढ़ के सालारपुर गांव में पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे से जुड़ता है।

इंटरचेंज और टोल प्लाजा तैयार, सर्विस रोड का काम अंतिम चरण में

XSHGD (उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस–वे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी) के अधिशासी अभियंता पीपी वर्मा के मुताबिक, फोरलेन रोड, इंटरचेंज और टोल प्लाजा का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। सरया तिवारी, सिकरीगंज, हरनही और बेलघाट में इंटरचेंज पूरी तरह तैयार है। कम्हरियाघाट में सरयू नदी की धारा मोड़ने के लिए जियो टेक्सटाइल ट्यूब का कार्य भी पूरा हो चुका है। हालांकि, सिकरीगंज – बेलघाट मार्ग पर 600 मीटर का ओवरपास बनना बाकी है। इसके लिए न्च्क्। ने पीडब्ल्यूडी से एनओसी ले ली है, लेकिन ग्राउंड को मजबूत करने के लिए डिजाइन में बदलाव किया गया है। ओवरपास का कार्य तकनीकी स्वीकृति मिलने के बाद शुरू होगा।

हादसों को रोकने के लिए फिलहाल ट्रैफिक पर रोक

महाकुंभ प्रयागराज के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस एक्सप्रेस–वे से गुजरे थे, लेकिन तेज रफ्तार के कारण कई हादसे हुए। इसके बाद सुरक्षा कारणों से फिलहाल वाहनों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। उद्घाटन के बाद यह पूरी तरह से वाहनों के लिए खोल दिया जाएगा।

समय और ईंधन दोनों की होगी बचत

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस–वे के शुरू होने से गोरखपुर से लखनऊ के बीच यात्रा का समय करीब 1.5 घंटे कम हो जाएगा। साथ ही, ट्रैफिक जाम से बचने के साथ ईंधन की भी बचत होगी।

UPEDA अधिकारियों के अनुसार, मार्च तक सभी प्रमुख कार्य पूरे हो जाएंगे और अप्रैल के दूसरे सप्ताह में एक्सप्रेस–वे पर फर्राटा भरने का सपना साकार होगा।

संदिग्ध परिस्थितियों में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधिकारी की मौत

ब्यूरो चीफ आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुल्तानपुर जनपद अंतर्गत संदिग्ध परिस्थितियों में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधिकारी की बाथरुम में मिली डेड बॉडी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बल्दीराय के चिकित्साधिकारी डॉ रमेश यादव से जुड़ा मामला। सूचना पर पहुंची बल्दीराय पुलिस,शुरू की गई जांच पड़ताल। जिला अम्बे डकर नगर के निवासी बताए जा रहे मृतक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक। अचानक मौत की सूचना पर स्थानीय लोगों का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर लगा जमावड़ा,प्रभारी निरीक्षक बल्दीराय ध गिरेंद्र कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर।

जौनपुर के एसपी सिटी बने आयुष श्रीवास्तव

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । उत्तर प्रदेश पुलिस में बड़े पैमाने पर अधिकारियों के तबादले हुए हैं। जौनपुर के सीओ सिटी आयुष श्रीवास्तव को प्रमोशन देते हुए उन्हें जौनपुर का एसपी सिटी बनाया गया है।विदित हो कि आयुष श्रीवास्तव वर्ष 2021बैच के आईपीएस ऑफिसर है।शासन ने इनके बेहतरीन कार्य को देखते हुए इन्हें प्रमोशन दिया है। कई अन्य अधिकारियों को भी नई जिम्मेदारियां दी गई हैं। पवीन प्रकाश को सिद्धार्थनगर में पुलिस उपाधीक्षक बनाया गया है। अरविन्द सोनकर को अयोध्या और सच्चिदानन्द सिंह को मैनपुरी का पुलिस उपाधीक्षक नियुक्त किया गया है। बेहतर कानून व्यवस्था को लेकर फेरबदल प्रगति चौहान को पीलीभीत और कृष्ण कांत त्रिपाठी को बांदा का पुलिस उपाधीक्षक बनाया गया है। भूपेश कुमार पाण्डेय को आजमगढ़ का नया पुलिस उपाधीक्षक नियुक्त किया गया है। सभी अधिकारी पहले विभिन्न जनपदों में प्रशिक्षण पर तैनात थे। अब इन्हें स्थायी तैनाती मिल गई है। प्रदेश में बेहतर कानून व्यवस्था के लिए यह फेरबदल किया गया है।

गुहाना के मास्टर राजेन्द्र कुमार वर्मा हुए नीरा अमृत सम्मान से सम्मानित

बागपत, उत्तर प्रदेश। विवेक जैन। शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने के लिए गुहाना सोनीपत के मास्टर राजेन्द्र कुमार वर्मा को बागपत में नीरा अमृत सम्मान से सम्मानित किया गया। उनको यह सम्मान देशहित और समाजहित में किये जा रहे उल्लेखनीय कार्यो के लिए प्रदान किया गया। मास्टर राजेन्द्र कुमार वर्मा पिछले लगभग 10 वर्षों से बागपत नगर में रह रहे हैं। नीरा अमृत सम्मान समिति की ओर से प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता व नेशनल अवार्डी विपुल जैन ने मास्टर राजेन्द्र कुमार वर्मा को पगड़ी, अंगवस्त्र व फूलमाला पहनाकर तथा प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। नीरा अमृत सम्मान धार्मिक, शैक्षिक, सामाजिक आदि विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान करने वाली शख्सियतों को प्रमुख समाजसेवी रामसेवक शर्मा व डाक्टर हिमांशु शर्मा टटीरी वालों के माध्यम से प्रदान किया जाता है। डाक्टर हिमांशु शर्मा ने बताया कि मास्टर राजेन्द्र कुमार वर्मा का जन्म सोनीपत के गुहाना में हुआ। इन्होने 10 वीं गुहाना सोनीपत से, 12 वीं जनता वैदिक कॉलेज बड़ौत बागपत से और बीए की उपाधि। जैन डिग्री कॉलिज बड़ौत से प्राप्त की। मास्टर राजेन्द्र कुमार वर्मा शिक्षा विभाग हरियाणा में वर्ष 1995 में खुबड़ू गन्नौर ब्लॉक के गवर्नमेंट गर्ल्स प्राईमरी स्कूल में बीटीसी टीचर नियुक्त हुए। वर्ष 2005 में पदोन्नति होकर पबसारा राई ब्लॉक के गवर्नमेंट मिडिल स्कूल में टीजीटी टीचर नियुक्त हुए। मास्टर राजेन्द्र कुमार वर्मा जी ने अस्वस्थ होने की वजह से सेवानिवृत्ति के लगभग तीन वर्ष पहले वर्ष 2023 में गवर्नमेंट मिडिल स्कूल टोकी जगदीशपुर राई ब्लॉक से स्वैच्छिक अवकाश ले लिया। बताया कि मास्टर राजेन्द्र वर्मा ने लगभग 28 वर्षो की सेवा की अवधि। में विद्यार्थियों को अच्छी शिक्षा देने के साथ–साथ उनको अच्छा अनुशासन सिखाया और गुणवान बनाया। बताया कि मास्टर राजेन्द्र कुमार वर्मा की किड़नी खराब है और लगभग ढाई साल से वह डायलिसिस पर है और हर तीसरे दिन उनको डायलिसिस करवानी पड़ती है। इस मुश्किल घड़ी में उनकी पत्नी कौशल रानी व उनके दोनो पुत्र धीरज कुमार वर्मा व नीरज कुमार वर्मा उर्फ मोनू उनके साथ मजबूती के साथ खड़े है और एक आदर्श पत्नी व आदर्श पुत्रों का फर्ज बखूबी अदा कर रहे है। मास्टर राजेन्द्र कुमार वर्मा अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपनी माता स्वर्गीय राजबाला देवी, अपने पिता स्वर्गीय रामकिशन, अपनी पत्नी व अपने बच्चों को देते है। डाक्टर हिमांशु शर्मा ने समाज में छुपी हुई प्रतिभाओं को देश व दुनिया के सामने लाने के लिए विपुल जैन की प्रशंसा की। इस अवसर पर समाजसेवी अमित चंदौरिया सहित कई लोग उपस्थित थे।

पत्रकार के हत्यारों के न पकड़े जान से पत्रकार आक्रोशित, ग्रापए ने जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में उपजिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मड़ियाहूं तहसील में सीतापुर जिले में एक दैनिक अखबार के पत्रकार की हत्या के 10 दिन बीत जाने के बाद भी हत्यारों को नहीं पकड़े जाने से आक्रोशित ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश जौनपुर की तहसील इकाई मड़ियाहू के पत्रकारों ने हत्यारों की गिरफ्तारी को लेकर प्रदर्शन किया और नगर के डाक बंगले से पैदल मार्च करते हुए तहसील में धरना दिया एव उपजिलाधिकारी मड़ियाहूं के माध्यम से राज्यपाल महोदय को संबोधित चार सूत्रीय ज्ञापन सौंपा।

सोमवार की सुबह ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के आवाहन पर जिलाध्यक्ष संजय अस्थाना के नेतृत्व में तहसील इकाई मड़ियाहू के अध्यक्ष बृजराज चौरसिया की अध्यक्षता में नगर के डाक बंगला से 35 सदस्यी पत्रकारों का दल पत्रकार राघवेंद्र बाजपेई के हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर बैनर एवं तख्ती के साथ प्रदर्शन करते हुए पैदल मड़ियाहू तहसील में पहुंचे पत्रकारों ने पूरे तहसील का चक्रमण करते हुए तहसील समाधान दिवस पर पहुंचकर जमकर नारेबाजी किया और वही प्रांगण में आधे घंटे दरी बिछाकर बैठकर जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान वक्ताओं ने अपने–अपने विचार प्रकट किया। ग्रापए के जिलाध्यक्ष संजय अस्थाना ने कहा कि शासन प्रशासन बेलगाम हो गया है पत्रकारों की कलम को दबाना चाहती है। सीतापुर के पत्रकार राघवेंद्र बाजपेई द्वारा धान खरीद एवं जमीन घोटाले का समाचार लिखकर भ्रष्टाचार को तार–तार कर रहा था की शासन प्रशासन के इशारे पर बदमाशों ने उन्हें गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया अब प्रशासन बदमाशों को बचाने में लगी हुई है जिसके कारण 10 दिन बीत जाने के बाद भी अभी तक पुलिस के पकड़ से हत्यारे दूर है। बताया कि 8 मार्च की शाम संभवतः पत्रकार राघवेंद्र बाजपेई तहसीलदार के बुलाने पर उनसे मिलने जा रहे थे उसी समय उनको गोली मार कर मौत के घाट उतार दिया गया। तहसील अध्यक्ष बृजराज चौरसिया ने कहा कि हत्यारों की गिरफ्तारी से पुलिस बचना चाहती है क्योंकि उनकी हत्या में सफेदपोश का हाथ मालूम पड़ता है शीघ्र गिरफ्तारी नहीं होती पत्रकार इससे भी बड़ी प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

पुलिस महानिदेशक, उद्गप्रद्र द्वारा पुलिस मुख्यालय में कर्मचारियों के साथ होली मिलन समारोह सम्पन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। प्रशान्त कुमार, पुलिस महानिदेशक, उ०प्र० द्वारा आज दिनॉकः 18.03.2025 को पुलिस मुख्यालय, गोमतीनगर विस्तार, लखनऊ में आयोजित होली मिलन समारोह में पुलिस मुख्यालय की समस्त इकाईयों

में नियुक्त कर्मचारीगणों के साथ फूलों की होली खेली गयी तथा उत्तर प्रदेश पुलिस के सभी पुलिस अधिकारियों ध कर्मचारियों को सपरिवार होली की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुये महाकुम्भ–2025 व होली त्यौहार के सफल आयोजन में कार्मिकों के अथक योगदान की सराहना की गयी। इस अवसर पर अपर पुलिस महानिदेशक कानून व्यवस्था, अपर पुलिस महानिदेशकध्पुलिस महानिदेशक के जी०एस०ओ० सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

समर्पण एवं निष्ठा से की गई तप साधना से होती है भगवद्- प्राप्ति आचार्य कौशल

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

गोण्डा। सिविल लाइन में अफीम कोठी के निकट स्थित भाजपा नेता अरुण कुमार शुक्ल के आवास पर चल रही श्रीमद्भागवत कथा के तृतीय दिवस अयोध्या के भागवताचार्य आचार्य कौशल किशोर मिश्र ने ध्रुव चरित्र एवं भक्त प्रह्लाद की कथा का वर्णन कर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। कथा पीठाधीश्वर आचार्य कौशल ने कहा कि महाराज मनु के पौत्र व राजा उत्तानपाद के पुत्र ध्रुव का विमाता सुरुचि ने पिता के गोद में बैठने पर अपमान किया तो माता सुनीति ने भगवान विष्णु की साधना करने का मार्ग दिखाया। पांच वर्ष के बालक ध्रुव ने राजमहल छोड़कर वन में देवर्षि नारद के द नमो भगवते वासुदेवाय के मंत्र से वर्षो तक कठिन साधना की। भगवान विष्णु ने बालक के तप से प्रसन्न होकर साक्षात दर्शन दिया और सप्तर्षि तारा–मंडल का प्रधान बनाया। इसी प्रकार हरिद्रोही हिरण्यकशिपु के पुत्र प्रह्लाद ने पिता के अत्याचार को सहनकर भगवान विष्णु की भक्ति नही छोड़ी तो भगवान ने नरसिंह रूप में अवतार लेकर हिरण्यकशिपु का संहार कर प्रह्लाद को अपनी गोद में बिठाया। आचार्य प्रवर ने कहा कि भागवत धर्म से हमें यह शिक्षा मिलती है कि समर्पण भाव व निष्ठा से की गई तप साधना से न केवल भगवद् प्राप्ति होती है बल्कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में प्रतिष्ठा सफलता मिलती है। कथा में शांति देवी, माया शुक्ला, जयप्रकाश शुक्ल एड., प्रेमादेवी शुक्ला, डा.श्रद्धा शुक्ला, यज्ञ देव पाठक, वन्दना सारस्वत, संतोष कुमार मिश्र, शेषमणि मिश्र, उत्तम प्रसाद शुक्ल, भूपेंद्र कुमार मिश्र, सरल कुमार मिश्र

डॉ. नीलू तिवारी, अवधेश शुक्ल, चिंताराम व राकेश कुमार त्रिपाठी उपस्थित रहे।

शहर के अलग-अलग प्रतिष्ठानों में आग लगने से मचा हड़कंप

अयोध्या। मंगलवार को कोतवाली नगर क्षेत्र के अलग–अलग स्थानों पर अग्निकांड की घटना घटित हुई।पहली घटना साहबगंज पुलिस चौकी के जलकल विभाग के सामने त्रिवेणी सदन तथा दूसरी घटना चौकी चौक क्षेत्र के जमुनिया बाग स्थित एलजी चेंबर मे घटी।कोतवाली नगर क्षेत्र के राम पथ मार्ग पर स्थित बहु मंजिला त्रिवेणी सदन में भीषण आग लग गई।आग इतनी भीषण थी कि खिड़कियों से आग की लपटे तथा धुआं के निकलने के चलते आसपास के इलाकों में हड़कंप मच गया।घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तथा फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंचकर आग बुझाने में ड्यूटी रही। लेकिन फायर विभाग का दावा उसे समय हवा हवाई साबित हुआ जब जब आग बुझाने के लिए मौके पर पहुंची दमकल खराब हो गया।वही आग पर काबू पाने के लिए घटनास्थल से थोड़ी ही दूरी पर जलकल विभाग टैंकर भी पहुंच गया।बताते चले कि मंगलवार को रामपथ स्थित बहुमंजिला त्रिवेणी सदन में डॉरमेट्री, दुकान, रेस्टोरेंट और पार्किंग है।त्रिवेणी सदन विकास प्राधिकरण की बिल्डिंग है।इस बिल्डिंग का संचालन सुख सागर हॉस्पिटैलिटी करता है।इस जगह आने वाले श्रद्धालु यहां पर आकर ठहरते हैं।आग इतनी भयानक थी कि खिड़कियों से भी उसकी लपटे देखी जा रही थी।इसके अलावा चारों ओर धुआ ही धुआ फैला हुआ था।दूसरी अन्य घटना अग्निकांड कोतवाली नगर क्षेत्र में ही सुबह जमुनिया बाग स्थित एलजी चेंबर मैं स्थित कमला ट्रेडर्स की दुकान में घटी।बताते चले कि नगर कोतवाली क्षेत्र के जमुनिया बाग स्थित एलजी चेंबर में कमला ट्रेडर्स की दुकान है।सुबह 7 बजे दुकान से धुआं उठता देख स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना दुकान मालिक राजेंद्र आहूजा और पुलिस को दिया।घटना की सूचना पर मुख्य अग्निशमन अधिकारी एमपी सिंह,नगर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अश्वनी पांडेय, अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार पांडे पुलिस टीम व अग्निशमन कर्मियों के साथ मौके पर पहुंच कर आग बुझाने में जुट गए।कोतवाली प्रभारी अश्वनी पांडेय व अग्निशमन प्रभारी प्रदीप पांडे ने बताया किअग्निशमन की टीम ने समय रहते आग पर काबू पा लिया।आस–पास आग नहीं फैल सकी।घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है।दोनों आग की घटनाएं शार्ट सर्किट से प्रतीत हो रही है।वही शहर के रामनगर स्थित न्यू नील बिहार कॉलोनी निवासी और दुकान मालिक राजेंद्र आहूजा ने बताया ष्दुकान में 35 से 40 लाख का सामान रखा हुआ है, आग लगने से सभी सामान पूरी तरह से जलकर राख हो गया है।घटना शॉर्ट सर्किट से लगी प्रतीत हो रही है,क्योंकि लाइट का बोर्ड इनवर्टर, काउंटर सब कुछ जलकर राख हो गया है।

कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार ने विभिन्न समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी के निर्देश पर राष्ट्रीय लोक दल के उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार ने आज लखनऊ में विभिन्न समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की, उन्होंने 2 अप्रैल 2018 को दलित समाज के द्वारा जन आंदोलन में दलित समाज के व्यक्तियों पर पंजीकृत मुकदमों को सरकार के द्वारा वापस लिए जाने को लेकर वार्ता की, बता दे प्रदेश भर में कुल 263 मुकदमे दर्ज हुए थे।।

आर. जे. शंकरा आई हॉस्पिटल और जनमित्र न्यास के सौजन्य से नि:शुल्क नेत्र जाँच शिविर आयोजित

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

वाराणसी। जनमित्र न्यास, मानवाधिकार जननिगरानी समिति शिव नादर फाउंडेशन, यूनाइटेड नेशन वालेंटरी फंड फार विक्टिम ऑफ टॉर्चर के सहयोग से आर.जे.शंकरा आई हास्पिटल के द्वारा नेत्र समस्याओ से प्रभावित जरूरतमंद व्यक्तियों " संघर्षरत यातना पीडितो" का निशुल्क जाँच शिविर का आयोजन किया गया । बड़ागांव (वाराणसी) सामाजिक संस्था जनमित्र न्यास एवं आर.जे. शंकरा आई हॉस्पिटल के तत्वाधान में निरूशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन मंगलवार को ग्राम पंचायत कठिराव के पंचायत भवन पर किया गया। शिविर में कुल 184 लोगो ने नेत्र परीक्षण कराया। जिसमें से चिन्हित 44 मोतियाबिंद के मरीजों को मुफ्त आपरेशन, लेंस और चश्मा की सुविधा दी जायेगी। अस्पताल में आवश्यक जांच के उपरांत मंगलवार को आपरेशन किया जाएगा । सभी मरीजों को वापस बुधवार को अस्पताल की बस द्वारा वापस पंचायत भवन कठिरॉव पर पहुंचा दिया जाएगा। नेत्र परीक्षण शिविर आर. जे. अस्पताल की टीम में युगल चंद्र के नेतृत्व में नेत्र विशेषज्ञ सोनाली एवं जयेंद्र, नेत्र सहायक नैंसी, अंजलि, सतीश एवं श्यामा शामिल रहे। जनमित्र न्यास की मैनेजिंग ट्रस्टी श्रुति नागवंशी ने बताया कि आर. जे. शंकरा आई हॉस्पिटल और जनमित्र न्यास के सौजन्य से ऐसे शिविर भविष्य में भी लगाये जायेंगेद्य जिसमें क्षेत्र के सभी जरूरतमंद और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को मोतियाबिंद से निजात मिल सके।

माहौल को खराब करने के लिए अराजक तत्वों ने शनि धाम मंदिर के टाइल्स को किया क्षतिग्रस्त

अयोध्या।मंगलवार को कोतवाली नगर क्षेत्र के मारवाड़ी धर्मशाला वजीरगंज के सामने स्थित शनि धाम मंदिर के टाइल्स तोड़कर व मंदिर के घंटा गायब कर माहौल को खराब करने की कोशिश किया।

लेकिन स्थानीय प्रशासन तथा पुलिस की सूझबूझ से स्थानीय लोगों को समझा बूझकर माहौल को ठंडा किया गया।बताते चले कोतवाली नगर क्षेत्र के मारवाड़ी गेस्ट हाउस के सामने सामने पीपल के नीचे स्थित शनि धाम का एक मंदिर बहुत पुराना है।

बताते चले कि इस प्राचीन शनि धाम मंदिर के टाइल्स को को जहां एक ओर अराजक तत्वों ने क्षतिग्रस्त कर दिया। वहीं दूसरी पर तरफ इन अराजक तत्वों ने मंदिर में लगे 14 किलो के पीतल के घंटे को उठा ले गये।वही मंदिर परिसर से त्रिशूल भी गायब था।जिसे मंदिर से 100 मीटर की दूरी पर पुलिस ने बरामद किया।मौके पर एसडीएम सदर व सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह, नगर कोतवाल अश्वनी पांडे अपनी टीम के साथ मौजूद रहे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।